

---

# Shri Hanumatkrita Shrirama Stutih

श्रीहनुमत्कृता श्रीरामस्तुतिः

## Document Information

---

Text title : Ramastutih Hanumatkrita 8

File name : rAmastutiHhanumatkRRitA.itx

Category : raama

Location : doc\_raama

Transliterated by : Prabhav Tengse

Proofread by : Prabhav Tengse

Description/comments : Skandapurana 46| 31-49

Latest update : February 25, 2023

Send corrections to : [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

July 15, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Shri Hanumatkrita Shrirama Stutih

---

### श्रीहनुमत्कृता श्रीरामस्तुतिः

---



नमो रामाय उरये विष्णवे प्रभविष्णवे ।  
आदिदेवाय देवाय पुराणाय गदाभूते ॥ १ ॥

विष्टरे पुष्पके नित्यं निविष्टाय मडात्मने ।  
प्रहृष्ट वानरानीक जुष्ट पादाभ्भुजायते ॥ २ ॥

निष्पिष्ट राक्षसेन्द्राय जगदिष्ट विधायिने ।  
नमः सडस्र शिरसे सडस्र यराणाय य ॥ ३ ॥

सडस्राक्षाय शुद्धाय राघवाय य विष्णवे ।  
भक्तार्ति डारिणे तुभ्यं सीतायाः पतये नमः ॥ ४ ॥

उरये नारसिंहाय दैत्यराज विदारिणे ।  
नमस्तुभ्यं वराडाय दंष्ट्रोद्धृत वसुन्धरे ॥ ५ ॥

त्रिविक्रमाय भवते बलि यज्ञ विभेदिने ।  
नमो वामन रुपाय नमो मन्दर धारिणे ॥ ६ ॥

नमस्ते मत्स्य रुपाय त्रयी पालन डारिणे ।  
नमः परशुरामाय क्षत्रियान्त डराय ते ॥ ७ ॥

नमस्ते राक्षसघ्नाय नमो राघव रुपिणे ।  
मडादेव मडाभीम मडाडोदण्ड भेदिने ॥ ८ ॥

क्षत्रियान्तकरडूर भार्गव त्रास डारिणे ।  
नमोऽस्त्व ङित्यासन्ताप डारिणे थाप डारिणे ॥ ९ ॥

नागायुत वलोपेत ताटका देड डारिणे ।  
शिला कठिन विस्तार वालिवक्षो विभेदिने ॥ १० ॥

नमो माया भृगध्वंस डारिणोऽज्ञान डारिणे ।  
दशस्थन्धन दुःभाष्ये शोषणागस्त्य रुपिणे ॥ ११ ॥

अनेकोर्मि समाधूत समुद्रमदं डारिणे ।  
मैथिली मानसाम्भोजं मानवे लोकसाक्षिणे ॥ १२ ॥  
राजेन्द्राय नमस्तुभ्यं जानकीपतये हरे ।  
तारकब्रह्मणे तुभ्यं नमो राज्ञोव लोचने ॥ १३ ॥  
रामाय रामयन्द्राय वरेण्याय सुभात्मने ।  
विश्वामित्रप्रियायेदं नमः परविदारिणे ॥ १४ ॥  
प्रसीद देव देवेश भक्तानामभयप्रद ।  
रक्ष मां करुणासिन्धो रामयन्द्रनमोस्तुते ॥ १५ ॥  
रक्ष मां वेदवयसामप्यगोचरराघव ।  
पाडिमां कृपया रामशरणां त्वामुपैभ्यहम् ॥ १६ ॥  
रघुवीरमहामोहमपाकुरु ममाधुना ।  
स्नाने यायमने भुक्तौ जगत्स्वप्नसुषुप्तिषु ॥ १७ ॥  
सर्वावस्थासु सर्वत्र पाडिमां रघुनन्दन ।  
महिमानं तवस्तोतुं कः समर्थो जगत्त्रये ॥ १८ ॥  
त्वमेव त्वन्महत्त्वं वै जानासि रघुनन्दन ।  
अतस्ते शरणां यामि सर्वभावेन सर्वदा ॥ १९ ॥  
इति स्कन्दपुराणान्तर्गता श्रीहनुमत्कृता श्रीरामस्तुतिः समाप्ता ।

Encoded and proofread by Prabhav Tengse

---

—  
*Shri Hanumatkrita Shrirama Stutih*

pdf was typeset on July 15, 2023

—

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

